नकली दवा की पैकिंग करने वाला गिरोह क्राइम ब्रांच की टीम ने दबोचा

-क्राइम ब्रांच ने अलीगढ़ व मेरठ में कार्रवाई करके बड़ा गिरोह दबोचा

-गुडगांव में छापेमारी करने पहुंची टीम के पहले ही एक अभियुक्त फरार

-डेकाड्यूराबोलिन के नकली इंजेक्शन भारी संख्या में बरामद

-सभी दवा कंपनियों के नकली रैपर व बाक्सं बरामद किये गये

-एक हफ्ते में तीन करोड़ का नकली दवाइयां की बरामद

कानपुर: नकली व नशीली दवाओं के रैकेट की क्राइम ब्रांच ने ऐसी नस दबाई कि एक के बाद एक नये खुलासे होते जा रहे हैं। क्राइम ब्रांच की टीम ने खुलासों की इस कड़ी में शुक्रवार को नकली दवाओं के रैपर व पैकिंग करने वाले कारखाने पर छापा मार तीन अभियुक्तों को दबोच लिया। छापेमारी में बड़ी संख्या में नकली दवा के खाली रैपर व इंजेक्शन के खाली वाइल मिले हैं। अब इसके बाद नकली दवा फैक्ट्रियों पर क्राइम ब्रांच का निशाना है।

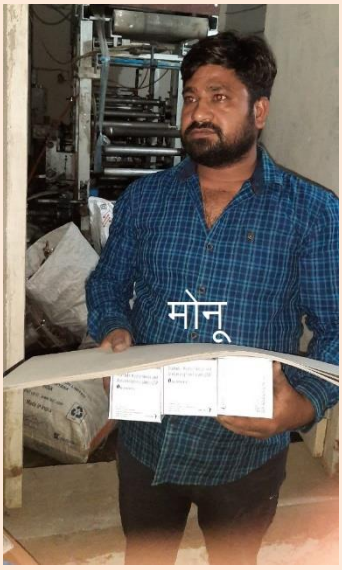

नकली व नशीली दवाओं के गैंग के खिलाफ चल रहे अभियान में शुक्रवार को क्राइम ब्रांच ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। क्राइम ब्रांच और मेरठ पुलिस ने दवा के नकली रैपर व पैकिंग के कारखाने में छापा मारकर भारी मात्रा में रैपर व खाली डिब्बें मिले हैं। पुलिस ने यहां से ब्रहमपुरी मेरठ के रहने वाले **मोनू कुमार को गिरफ्तार किया है।** मोनू ने बताया यहां पर सभी कंपनियों के रैपर बनाए जाते हैं।

गुड़गांव से आते थे खाली वाइल

डेका ड्यूराबोलिन के खाली इंजेक्शान गुड़गांव से आते थे, वहां से अलीगढ़ के सासनी गेट थाना क्षेत्र में रहने वाले अशोक गुप्तां व कमलेन्द्र पुंडीर इन खाली इंजेक्शेनों में जायडस कंपनी की असली दवा के रैपर चिपका के लखनऊ के रहने वाले मनीष मिश्रा को बेचते थे। गुरुवार को ही मनीष मिश्रा को क्राइम ब्रांच ने कानपुर के दादानगर पुल से गिरफ्तार किया था।

यह हुई बरामदगी

पुलिस को अलीगढ़ में छापेमारी में अल्ट्रा ेसेट 46 बाक्से, टेक्सिहम ओ 200 के 164 बाक्सु, डुफेसटन 10 एमजी के 39 बाक्सम, यूडलिव 300 के 18 बाक्सा, डेका ड्यूराबोलिन 25 एमजी के 30 इंजेक्श न, 1 एमएल डिस्पोनवैन 32 बाक्सक, डेका ड्यूराबोलिन स्रिइंजप ग्रीन लेवल 410, डेका ड्यूराबोलिन स्रिहनप लेवल रेल 2500, एंपोलस लेबल18, पेपर कार्टून बॉक्स् डेका ड्यूराबोलिन खाली 625 सभी नकली, मिलावटी व नशीली दवाएं हैं। कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी जा रही है। वहीं मेरठ में पुलिस की कार्रवाई में खाली व तैयार रैपर, रैपर बनाने व पैकिंग करने का सामान बरामद हुआ है।

इस सप्ताह हुई यह बड़ी कार्रवाई

क्राइम ब्रांच को इस सप्ताह नकली दवा गैंग में शुक्रवार को यह चौथी बड़ी सफलता मिली है। इसके पहले सोमवार को नकली व नशीली दवाओं के सप्लाई गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया था। मंगलवार को पुलिस ने गैंग में शामिल तीसरे अभियुक्त को गिरफ्तार करके दो करोड़ रुपये की नकली दवाएं भी बरामद की हैं। गुरुवार को मूलरूप से रायबरेली का रहने वाला सरगना मनीष मिश्रा को दादानगर पुल के पास एक गत्ता अल्ट्रासेट टैबलेट के 64 पत्तों के साथ पकड़ा गया है।

तीन करोड़ का माल बरामद

क्राइम ब्रांच ने इस पूरे सप्ताह के अंदर नकली दवा गैंग के ऐसी नकेल कसी की पूरा का पूरा गैंग सरगना समेत दबोच लिया गया। चार बड़ी कार्रवाई करके क्राइम ब्रांच ने करीब 3 करोड़ का माल नकली व नशीली दवा के रूप में बरामद किया है।

सप्ताह भर में नकली दवा गैंग के खिलाफ चले अभियान में गैंग के सात सदस्यों को गिरफ्तार करके करीब 3 करोड़ का माल बरामद किया है। अब दूसरे राज्यों में चल रही नकली दवा की फैक्ट्रियां क्राइम ब्रांच के निशाने पर हैं।

-दीपक भूकर,
अपर पुलिस उपायुक्त अपराध
कानपुर नगर।